RAJYA SABHA

Saturday, the 16th October, 1982/24th Asvina, 1904 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Deputy Chairman** in the Chair.

PAPERS LAID ON THE TABLE

The Assam Passengers and Goods Taxation (Amendment) Rules, 1980

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI PATTABHI RAMA RAO): Mr. Deputy Chairman, I beg to lay on the Table, under sub-section (3) of section 28 of the Assam Passengers and Goods Taxation Act, 1962 read with sub-clause (iv) of clause (c) of the Proclamation, dated the 19th March, 1962, issued by the President in relation to the State of Assam, a copy (in English and Hindi) of the Government of Assam Notification No. FTX. 43/79/45, dated the 6th October, 1980, publishing the Assam Passengers and Goods Taxation (Amendment) Rules, 1980, together with a statement giving reasons for the delay in laying the notification. (Place in Library. *See* No. LT-5501/82].

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jaswant Singh. Not here. Shri Gopalsamy. Not here. Shri Rameshwar Singh. Not here, Yes, Shri Yogendra Sharma.

REFERENCE TO ALLEGED HARASSMENT OF LANDLESS LABOURERS OF BIHAR IN PUNJAB

श्री योगेन्द्र शर्मा (बिहार) : मान्यवर, हम एक बहुत ही दर्दनाक और असहनीय घटना की ओर सरकार का ध्यान खींचना चाहते हैं, । आप जानते हैं कि बिहार के बहुत बड़े इलाके में सूखा पड़ा हुआ है । ये सूखाग्रस्त मजदूर और गरीब किसान काम की खोज में पंजाब जाते हैं । जब वे पंजाब जा रहे थे, टिकट लेकर जा रहे थे, तो रेलगाड़ी में उनके डिब्बों में घुसकर रेल अधिकारियों, कर्मचारियों और पुलिस की मदद से उनकी टिकटों को फाड़ दिया गया और टिकटों को फाड़कर उनको रेलवे स्टेशन पर उतार दिया गया । यह शम्भु नाम का रेलवे स्टेशन था . . . (**व्यवधान**)

श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी : किसको उतार दिया . . . (**व्यवधान**)

श्री योगेन्द्र शर्मा : बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के सैकड़ों खेत मजदूर और गरीब किसान जो कि सूखाग्रस्त हैं, वे काम की खोज में पंजाब जा रहे थे, टिकट लेकर जा रहे थे और उनको उतार दिया गया । उनके टिकट फाड़ दिये गये और टिकट फाड़कर उन पर तमाम जुर्माना या जेल की सजा दे करके जेलों में भेज दिया गया । उनको बहादुरगढ़ और अमृतसर की जेलों में भेज दिया गया । मंशा यह थी कि इन जेलों में वहां पर अकाली कैदियों की सेवा के लिए वे रहेंगे . . . . (**व्यवधान**)

श्री उपसभापति : उनको तो छोड़ दिया गया ।

श्री योगेन्द्र शर्मा : वे तो छोड़ दिये गये, मगर उनकी सेवा सुश्रुषा के लिए ये जो गरीब लोग जो भूख से पीड़ित होकर काम की खोज के लिए वहां गये थे वे अभी तक जेलों में बंद हैं । वे टिकट लेकर जा रहे थे, उनके साथ पहला जुर्म